ST. ARNOLD'S CENTRAL SCHOOL, PUNE

PERIODIC TEST – 1, 2018-19

SUBJECT : HINDI

STD : IX MM : 50

खंड क : अपठित बोध

प्र.१ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ०९

वास्तव में मनुष्य स्वयं को देख नहीं पाता। उसके नेत्र दुसरों के चरित्र को देखते है, उसका हृदय दूसरों के दोषों को अनुभव करता है। उसकी वाणी दूसरों के अवगुणों का विश्लेषण कर सकती है, किंतु उसका अपना चरित्र, उसके अपने दोष एवं उसके अवगुण, मिथ्याभिमान और आत्म–गौरव के काले आवरण में इस प्रकार प्रच्छन्न रहते है कि जीवन–पर्यंत उसे दृष्टीगोचर ही नहीं हो पाते। इसलिए मनुष्य स्वयं को सर्वगुण संपन्न देवता समझ बैठता है। व्यक्ति स्वयं के द्वारा जितना छला जाता है, उतना किसी अन्य के द्वारा नहीं। आत्मविश्लेषण कोई सहज कार्य नहीं। इसके लिए उदारता, सहनशीलता एवं महानता की आवश्यकता होती है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि आत्मविश्लेषण मनुष्य कर ही नहीं सकता। अपने गुणें–अवगुणों की अनुभूति मनुष्य को सदैव रहती है। अपने दोषों से वह हर पल अवगत रहता है, किंतु अपने दोषों को मानने के लिए तैयार न रहना ही उसकी दुर्बलता होती है और यही उसे आत्मविश्लेषण की क्षमता नहीं दे पाती। उसमें इतनी उदारता और हृदय की विशालता ही नहीं होती कि वह अपने दोषों को स्वय देख सके। इसके विपरीत पर–निंदा एवं पर–दोष दर्शन में अपना कुछ नहीं बिगडता, उलटे मनुष्य आनंद अनुभव करता है, परंतु आत्म–विश्लेषण करके अपने दोष से मनुष्य के अहंकार को चोट पहुँचती है।

क) मनुष्य अपना चरित्र, अपने दोष व अवगुण क्यों नहीं देख पाता है? ०२

ख) मनुष्य स्वयं को सर्वगुण संपन्न देवता क्यों समझ बैठता है? ०२

ग) आत्म–विश्लेषण का क्या अर्थ है? इसके लिए किन गुणों की आवश्यकता होती है? ०२

घ) अपने गुणों–अवगुणों की अनुभूति होते हुए भी मनुष्य आत्म–विश्लेषण क्यों नहीं कर पाता? ०२

ड) मनुष्य के अहंकार को कब चोट पहुँचती है? ०१

खंड ख : व्यवहारिक व्याकरण

प्र.२ क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण–विच्छेद कीजिए। ०३

१) सहानुभूति २) विख्यात ३) दक्षिण

) निम्नलिखित वर्ण–विच्छेद के लिए उचित शब्द लिखिए। ०३

१) क् + ऋ + प् + आ

२) म् + इ + ट् + आ + स् + अ

३) त् + र + इ + व + ए + ण + ई

प्र.३ क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर लिखिए। ०१

१) सचालन २) चचल

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक लगाकर लिखिए। ०१

१) आगन २) हसते

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता लगाकर लिखिए। ०१

१) मजदूर २) फारसी

खंड ग : पठित बोध

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। (२ + २ + १ = ०५)

क) लेखिका को सागरमाथा नाम क्यों अच्छा लगा? उन्हें एवरेस्ट पर ध्वज जैसा क्या दिखाई दिया?

ख) एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी–कभी तो मृत्यु को भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करना चाहिए। यह कथन किसने और क्यों कहा?

ग) कैंप चार को किस नाम से जाना जाता है? इसकी ऊँचाई कितनी थी?

प्र.५ पाठ का शीर्षक "दुख का अधिकार" कहाँ तक सार्थक है? ०५

प्र.६ निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए ०४

ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै। गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथै छत्रु धरै।।
जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै। नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै।

प्र.७ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (२ + १ = ०३)

क) रैदास के पद में भगवान और भक्त की किन–किन चीजों से तुलना की गई है?

ख) कवि रैदास के स्वामी कौन है? उनकी भक्ति का कौन–सा भाव है?

प्र.८ लेखिका का गिल्लू के साथ एक अनोखा संबंध था, जिसका औचित्य गिल्लू के मरण उपरांत भी बना रहा। उनके इस संबंध पर अपने विचार प्रकट कीजिए। ०५

अथवा

पशु–पक्षियों को घर में बंद रखना कहाँ तक उचित है? "गिल्लू" पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए।

खंड घ : लेखन कार्य

प्र.९ दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग ८०–१०० शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। ०५

क) समाचार पत्रों का महत्त्व

• ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति • बुराइयों का पर्दाफाश • समाज का मार्गदर्शन

ख) व्यायाम

• व्यायाम की आवश्यकता • व्यायाम के लाभ • व्यायाम का महत्त्व

प्र.१० अध्यापक और छात्र के बीच मोबाइल फोन के प्रयोग को लेकर हुए संवाद को लगभग ५० शब्दों मे लिखिए। ०५